number of years, in order to avoid a possible confusion which might arise if the delegate were to be referred to as the "Delegate from China".

EMPLOYMENT EXCHANGE FOR PHYSICALLY HANDICAPPED

129. SHRI A. D. MANI: Will the Minister of LABOUR AND EMPLOYMENT be pleased to state:

(a) the number of persons who have registered themselves in the three new employment exchanges recently opened for the physically handicapped; and

(b) the nature of special assistance which these employment exchanges give to physically disabled persons?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT AND FOR PLANNING (SHRI C. R. PATTABHI RAMAN): (a) 618 up to first April, 1964.

(b) These exchanges assess the physical capacity of handicapped persons, identify occupations suitable for them, enlist the co-operation of employers in engaging them and give assistance for their settlement till a satisfactory position has been reached.

भारत की विदेश नीति का प्रचार

१३०. **श्री भगवत नारायण भार्गव :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हमारी विदेश नीति तथा दूसरे देशों के साथ हमारे संबंधों के बारे में जो प्रचार कार्य किया जाता है वह सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय की बजाय वैदेशिक कार्य-मंत्रालय क्यों करता है ; और

(ख) इस प्रचार के लिए वैदेशिक कार्य मंत्रालय के पास क्या क्या साधन हैं ?

†[PUBLICITY OF FOREIGN POLICY OF INDIA

130. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the reasons for which publicity in connection with our foreign policy and our relations with other countries is done by the Ministry of External Affairs and not by the Ministry of Information and Broadcasting; and

(b) what are the means available with the Ministry of External Affairs for such publicity?]

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू): (क) कई तरह के प्रयोग करके देखने के बाद विदेश प्रचार से संबद्ध कार्य विदेश मंत्रालय के जिम्मे सौंप दिया गया है। इस प्रश्न के पक्ष और विपक्ष पर पूरी तरह विचार करने के बाद मई, १९४८ में मंत्रिमंडल ने विदेश प्रचार कार्य को सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय से लेकर विदेश मंत्रालय को सौंपने का फैसला किया था। विदेश प्रचार कार्य का विदेश नीति से गहरा संबंध है और विदेश मंत्रालय से इसका नज़दीकी और बराबर संपर्क बना रहना आवश्यक है जो कि विदेश नीति निर्धारित करता है। इस प्रकार नीति निर्धारित करने वाली संस्था और विदेश प्रचार कार्य करने वाली एजेंसी में ज्यादा से ज्यादा तालमेल रखने के उद्देश्य से विदेश प्रचार कार्य की ज़िम्मेदारी विदेश मंत्रालय पर डाल दी गई है।

(ख) विदेश मंत्रालय, विदेशों में प्रचार करने के लिए अपने सूचना एकांशों के अतिरिक्त प्रेस इन्फ़रमेशन ब्यूरो, आल इंडिया रेडियो जैसी अन्य सरकारी एजेंसियों का भी उपयोग करता है।

†[THE PRIME MINISTER AND MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI JAWAHARLAL NEHRU): (a) The work relating to External Publicity

†[ ] English translation.